⇒ वर्णनात्मक शोध (Descriptive) → विषय या समस्या के सम्बंध में वास्तविक तथ्यों के आधार पर वर्णनात्मक विवरण प्रस्तुत करना वर्णनात्मक शोध - प्ररचना का मुख्य उद्देश्य है। इनके लिए यह आवश्यक होता है कि विषय के सम्बन्ध में हमें यथार्थ तथा पूर्ण सूचनाएँ प्राप्त हो जाएँ तथ्यों का संकुलन किसी भी वैज्ञानिक प्रविधि के द्वारा किया जाए क्योंकि इनके बिना अध्ययन - विषय या समस्या के सम्बन्ध में हम जो कुछ भी वर्णनात्मक विवरण प्रस्तुत करेंगे वह वैज्ञानिक न होकर केवल दार्शनिक ही होगा।

⇒ विशेषता → (i) इस प्रकार की शोध में विषय या समस्या के विभिन्न पक्षों पर सविस्तार प्रकाश डाला जाता है।

(ii) यदि किसी विषय से सम्बन्धित कोई अध्ययन पूर्व में नहीं किया गया हो तो उसके अध्ययन के लिए वर्णनात्मक शोध को ज्यादा उपयुक्त समझा जाता है।

(iii) इस प्रकार के अध्ययन में सामान्यता किसी प्राक्कल्पना का निर्माण

नहीं किया जाता।

(iv) वर्णनात्मक शोध के विभिन्न चरण वैज्ञानिक विधि के चरणों के समान ही होते हैं।

(v) वर्णनात्मक अनुसन्धान में शोधकर्ता की भूमिका एक समाज-सुधारक या भविष्यवक्ता के रूप में नहीं होकर एक वैज्ञानिक अर्थात निष्पक्ष अवलोकन-कर्ता के रूप में होती है।

⇒ कुछ विशेष बातों पर ध्यान देना आवश्यक :—

(i) शोध विषय या समस्या का चुनाव सावधानीपूर्वक इस प्रकार से किया जाना चाहिए कि उससे सम्बद्ध सभी आवश्यक एवं निर्णय-योग्य तथ्य एकत्रित किये जा सकें।

(ii) शोध-कार्य को वैज्ञानिक आधार प्रदान करने के लिए आवश्यक है कि तथ्यों के संकलन के लिए प्रविधियों का चुनाव पूर्ण सावधानी के साथ किया जाय

(iii) वर्णनात्मक शोध में वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण बनाये रखने की अत्यन्त आवश्यकता है।

(iv) वर्णनात्मक शोध-कार्य काफी विस्तृत होता है, अतः उसे समय-बद्ध एवं व्यय में मितव्ययितापूर्ण होना आवश्यक है।

(v) विशिष्ट व आवश्यक तथ्यों के सम्बंध में अति संतुलित दृष्टिकोण को अपनाना आवश्यक

⇒ चरण → वर्णनात्मक शोध-कार्य के सफलतापूर्वक संचालन के लिए निम्नलिखित चरणों से गुजरना आवश्यक होता है :—

(i) शोध के उद्देश्यों का प्रतिपादन
(ii) तथ्य-संकलन की प्रविधियों का चुनाव
(iii) निदर्शनों का चुनाव
(iv) आँकड़ों का संकलन तथा उनकी जाँच
(v) तथ्यों/परिणामों का विश्लेषण
(vi) रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण।